मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी

MADHYA PRADESH DALIT SAHITYA AKADEMY

Banbhatta Marg, (Front of Central School), Ujjain (M.P) 456.010

(A Social Science Research Center : affiliated to Vikram University)

Phone : 0734-2518737 **E-mail : mpdsaujn@gmail.com** **Visit us : www.mpdsa.org**

क्रमांक. /संगोष्ठी/19-20 दिनांक 22/10/2019

Two Day's National Seminar on

"RELEVANCE OF THE THOUGHT OF MAHATMA GANDHI IN MODERN SOCIETY."

" महात्मा गाँधी के विचारों की आधुनिक समाज में प्रासंगिकता "

विषयक संगोष्ठी हेतु सहभागिता एवं शोध आलेख आमंत्रण

:: उज्जैन, 29 एवं 30 दिसम्बर,2019 ::

महोदय/महोदया,

भारत के राष्ट्रपिता के रूप में विख्यात महात्मा गाँधी का बीसवीं शताब्दी के विचारकों में महत्वपूर्ण स्थान है। गाँधीजी ने न केवल भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में प्रखर योगदान दिया वरन् दुनिया के समक्ष यह नया दृष्टिकोण भी रखा कि किसी राष्ट्र की समस्याओं का निराकरण प्रेम, सत्य और अहिंसा से भी किया जा सकता है। अत्यधिक विवेकपूर्ण (Rational) आध्यात्मिक (Spiritual) तथा तत्वमीमांसक (Metaphyrical) होने के बावजूद राजनीतिक सिद्धांत के क्षेत्र में गाँधीजी का अद्वितीय स्थान है। यही नहीं गाँधी जी संसार की एकमात्र सुविख्यात विभूति थे, जिन्होंने स्वयं को व्यवहारिक आदर्शवादी (कर्म योगी) सिद्ध किया।

परंतु विडंबना इस बात की है कि सर्वत्र हिंसा, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, अत्याचार इत्यादि का तांडव चरम पर है फिर भी महात्मा गाँधी के विचार एवं सुझाये गए मार्ग का अनुसरण नहीं किया जा रहा है। लगता है गाँधी विचार गुजरे जमाने की बात हो गई है। अतः महात्मा गाँधी के विचार की समसामयिक परिप्रेक्ष्य में परीक्षण, विश्लेषण, मूल्यांकन कर भारतीय समाज की शांति तथा विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रस्ताव एवं सुझाव तैयार करना और भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने हेतु विचार मंथन करने की आवश्यकता है।

इसी आवश्यकता तथा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150 वीं जयंती वर्ष प्रसंग को दृष्टिगत रखते हुवे मध्यप्रदे श् दलित साहित्य अकादमी द्वारा महात्मा गाँधी के विचार की आधुनिक समाज मे प्रासंगिकता विषयक द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन "भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परषिद्, नईदिल्ली (ICSSR) " के सहयोग से उज्जैन में दिनांक 29 एवं 30 दिसम्बर,2019 को किया जाना प्रस्तावित है।

संगोष्ठी में देश-प्रदेश के प्रमुख विद्वानों एवं विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा रहा है। आशा है आप भी संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लेगें। आयोजन को परिणाममूलक एवं विविध आयामी वैचारिक आधार प्रदान करने के निमित्त संगोष्ठी के मुख्य शीर्षक को पृष्ठांकित उपशीर्षकों में वर्गीकृत किया गया है :

अतऐव, अनुरोध है कि संगोष्ठी विषयक किसी एक शीर्षक/उपशीर्षक पर केन्द्रित अपना शोध आलेख A-4 साईज पेपर में टंकित अथवा KrutiDev-010 फॉन्ट में टाईप सी.डी. तथा एक प्रिन्ट-आउट हार्ड कापी सहित दिनांक 20 दिसम्बर, 2019 तक हमें डाक द्वारा अथवा E-mail: mpdsaujn@gmail.com पर भेजने का कष्ट करें। साथ ही, 500 शब्द सीमा में शोध संक्षेपिका (Abstract of Paper) भी अवश्य भेजें।

संगोष्ठी में शोध आलेख प्रस्तुति पर आमंत्रित बाह्य प्रतिभागियों को नियमानुसार द्वितीय श्रेणी रेल/बस यात्रा व्यय सहित आवास एवं भोजन व्यवस्था अकादमी द्वारा उपलब्ध करवाई जावेगी। संगोष्ठी हेतु अनिवार्य पंजीयन शुल्क रूपये 500/- एवं शोधर्थियों के लिए रूपये 300/-निर्धारित हैं।

कृपया, संगोष्ठी में सहभागिता हेतु अपनी पूर्व स्वीकृति से हमें अनिवार्यतः यथाशीघ्र अवगत कराने का कष्ट करें।

पी.सी.बैरवा
सचिव

डॉ. एच.एम. बरूआ
संगोष्ठी संयोंजक

डॉ. हरिमोहन धवन
संगोष्ठी समन्वयक एवं अध्यक्ष
Mobile : 9752725488

संगोष्ठी का विषय :

" महात्मा गाँधी के विचारों की आधुनिक समाज में प्रासंगिकता "

"RELEVANCE OF THE THOUGHT OF MAHATMA GANDHI IN MODERN SOCIETY."

उप-षीर्षक :

1. **महात्मा गाँधी के विचार का दार्शनिक आधार**
   (Philosophical Base of Mahatma Gandhi's Thought.)
2. **गाँधीजी के सत्य तथा अहिंसा संबंधी विचार**
   (Thought's of Truth and Non-Violence of Mahatma Gandhi)
3. **महात्मा गाँधी के सत्याग्रह संबंधी विचार**
   (Thought's of Truth and Non-Violence of Mahatma Gandhi)
4. **महात्मा गाँधी के धर्म एवं राजनीति संबंधी विचार**
   (Mahatma Gandhi's view on Religion and Politics.)
5. **महात्मा गाँधी के राज्य व राम राज्य संबंधी धारणा**
   (Gandhi's Concept of State and Ram Rajya.)
6. **महात्मा गाँधी एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन**
   (Mahatma Gandhi and Indian National Movement.)
7. **महात्मा गाँधी एवं वैश्वीकरण**
   (Mahatma Gandhi and Globalization)
8. **महात्मा गाँधी के आर्थिक विचार**
   (Mahatma Gandhi's View's on Economics and Finance.)
9. **महात्मा गाँधी के सामाजिक विचार**
   (Mahatma Gandhi's view on Society.)
10. **महात्मा गाँधी एवं दलित**
    (Mahatma Gandhi and Dalits.)
11. **महात्मा गाँधी एवं महिला सशक्तिकरण**
    (Mahatma Gandhi's and Women Empowerment)
12. **महात्मा गाँधी एवं वर्तमान पंचायती राज**
    (Mahatma Gandhi and Present Panchayati Raj)
13. **महात्मा गाँधी एवं आधुनिक औद्योगिकरण**
    (Mahatma Gandhi and Modern Industrialization.)
14. **महात्मा गाँधी एवं सर्वोदय**
    (Mahatma Gandhi and Sarvodaya.)
15. **महात्मा गाँधी एवं स्वच्छ व स्वस्थ भारत**
    (Mahatma Gandhi and Clean and Healthy India.)
16. **महात्मा गाँधी एवं स्मार्ट सिटी**
    (Mahatma Gandhi and Smart City (Urbanization).
17. **महात्मा गाँधी एवं पत्रकारिता**
    (Mahatma Gandhi and Journalism.)
18. **महात्मा गाँधी एवं आतंकवाद और नक्सलवाद**
    (Mahatma Gandhi on Terrorism and Naxalism)
19. **वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महात्मा गाँधी के विचार का समग्र मूल्यांकन**
    (Overall Evaluation of Gandhi's Thoughts in Present Perspectives.)